© AUG 2025 | IRE Journals | Volume 9 Issue 2 | ISSN: 2456-8880
DOI: https://doi.org/10.64388/IREV9I2-1714781

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन

चाँदनी कुमारी[1], डॉ. पूनम बाला[2]
[1, 2]*Sai Nath University, Ranchi*

सारांश (Abstract)- *यदि मनुष्य परिवार समाज राष्ट्र में सुख शांति व श्रद्धा का वातावरण स्थापित करना चाहता है तो उसको मूल्यों पर आधारित व्यवस्था को उपयोग में लाना होगा मूल्यों के विवेचन से स्पष्ट होता है कि मूल्यों पर हमारा जीवन आधारित है। इस शोध पत्र द्वारा "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन समस्या का चुनाव किया गया के समस्या के अध्ययन हेतु उद्देश्य* 1 *माध्यमिक स्तर के शहरी छात्रों एवं छात्राओ के व्यक्तिगत मूल्यों का भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन। उद्देश्य-*2 *माध्यमिक स्तर के ग्रामीण छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों का भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन तथा अध्ययन की परिकल्पना-*1 *माध्यमिक स्तर के शहरी छात्रों एवं छात्राओ के व्यक्तिगत मूल्यों का भावनात्मक बुद्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।* 2 *माध्यमिक स्तर के ग्रामीण छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तित्व मूल्यों का भावनात्मक बुद्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में मेरठ जनपद में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के आठ-आठ माध्यमिक विधालय को यादृच्छिक विधि से चयनित किया गया है. जिसमें से प्रत्येक विद्यालयों से बारह छात्र एवं छात्राएँ लोटेरी न्यायदर्श विधि से छात्रों की संख्या* 200 *छात्रों-छात्राओ को चयनित किया गया है। आकड़ों के विश्लेषण हेतु व्यक्तिगत मूल्य तथा भावनात्मक बुद्धि के लिए सहसंबंध विधि का प्रयोग किया गया है। व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली- डा. अर्चना दुबे एवं महिंद्रा पतिदार जी है। उपकरण की विश्वसनीयता के लिए सहसंबंध मूल्य गुणांक* 0.01 *स्तर पर*, 0.825 *है। तथा वैधता* 10 *विषय विशेषज्ञों जैसे मनोविज्ञानिक शिक्षाविदों और भाषा विज्ञान की राय और व्यक्तिगत मूल्यों के चयन, उनके विकल्प आदि के आधार पर स्थापित की गई थी। भावनात्मक बुद्धि मापनी जिसके निर्माणकर्ता डॉ० अरुण कुमार सिंह और डॉ श्रुति नारायण जी है। परीक्षण की विश्वसनीयता* 0.86 *अल्फा गुणांक पाया गया जो कि* 01 *स्तर और वैधता* 01 *स्तर पर* 0.86 *पायी गई. इस उद्देश्य के लिए दोनों पैमाने को नमूना डी* 100 *पर प्रशासित किया गया। तथा यह निष्कर्ष पाया गया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। इसका कारण यह है कि आज के समय में शिक्षा व्यावसायिक होती जा रही है। मूल्य विलुप्त होते जा रहे है जिसका असर व्यक्ति के व्यक्तित्व तथा उसकी भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव देखने को मिलता है। इसलिए शिक्षा पद्धति में परिवर्तन की आवश्यकता है।*

शब्दावली: *माध्यमिक स्तर, व्यक्तिगत मूल्य, भावनात्मक बुद्धि।*

I. INTRODUCTION

प्रस्तावना बालक के चहुमुखी विकास में केवल विद्यालय का अनुशासन ही नहीं अपितु पारिवारिक वातावरण एवं अनुशासन की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बालक की प्रथम पाठशाला उसका परिवार होता है तथा उसकी प्रथम अध्यापिका उसकी माता मानी जाती है। बालक व बालिका के बुद्धि एवं मूल्य पर उनके परिवारिक वातावरण माता-पिता की आपसी संबंधों का सीधा प्रभाव बालक के व्यवहार पर पड़ता है। मनुष्य एक समाजिक प्राणी है (अरस्तू), पंचवर्षीय योजना का माध्यमिक शिक्षा का अधिक प्रभावशाली प्रभाव पर पड़ा जिसके सुझावों पर 1023 की संरचना को समान रूप दिए जाने का निश्चय किया गया। माध्यमिक शिक्षा किसी राष्ट्र की जनशक्ति के विकास का आधार होती है। माध्यमिक शिक्षा में सोचने समझने की शक्ति और कार्य करने की क्षमता का विकास किया जाता है। (मुदालियर कमीशन) व्यक्तिगत मूल्यों का सम्प्रत्यय भारतीय सस्कृति में मूल्यों को प्राचीन काल से ही अधिक महत्व दिया गया है। (यूपीएससी) मूल्यों पर हमारा जीवन आधारित है। वे सिद्धात और आदर्श जो हमारे विचारों, कार्यों और निर्णयों का मार्गदर्शन करते हैं। ये मूल्य हमारी धारणा को आकार देते हैं. हमारे व्यवहार को प्रभावित करते हैं और हमारी प्राथमिकताओं और लक्ष्यों को निर्धारित करते हैं। (लुईस स्काम्ब्लेर)

भावनात्मक बुद्धि का प्रत्यय भावनात्मक बुद्धि के अंतर्गत व्यक्तिगत संवेगों को ठीक ढंग से जानकारी और उनका यथार्थ प्रत्यक्षीकरण अपनी अभिव्यक्ति करने, विचारों को उत्पन्न करने हेतु तथा संवेगात्मक ज्ञान को समझने तथा बौद्धिक विकास हेतु सदेशों को नियंत्रित करने की योग्यता आती है।

जिनियल गोलगन (२०२२) की प्रतिष्ठित पुस्तक इमोशनल इंटेलिजेंस के द्वारा भावनात्मक बुद्धि अपने जीवन के सामाजिक एवं संवेगात्मक तथ्यों को समझने, देखभाल करने अभिव्यक्त करने की योग्यता से है जो जीवन को सफल बनावी है. इनके अनुसार सफलता के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि इसमें किसी व्यक्ति के जीवन के शैक्षणिक, पेशेवर सामाजिक और पारस्परिक पहलू शामिल है। सुरेन्द्र (2020) द्वारा गुड़गांव जिले की कालेज की 300 विवाहित तथा 300 अविवाहित छात्राओं का न्यादर्श लिया गया। इस अध्ययन में शोध उपकरण डा. गैरी तथा वर्मा द्वारा मानवीकृत व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली, सारस्वत द्वारा निर्मित आत्मबोध प्रश्नावली डा. सिन्हा द्वारा निर्मित समायोजन टेस्ट का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत शोध में सांख्यिकी मध्यमान मानक विचलन टी-मान का प्रयोग किया गया है। इस अध्ययन का निष्कर्ष निकला कि विवाहित तथा अविवाहित कालेज छात्राओं के मूल्यों में सार्थक अन्तर है। विवाहित तथा अविवाहित कालेज छात्राओं के आत्मप्रत्यय में सार्थक अन्तर नहीं है। विवाहित तथा अविवाहित कालेज छात्राओं के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

शर्मा चित्रा और कुमार लल्लन (2017) ने अपने अध्ययन में पाया कि शिक्षा के माध्यम से शिक्षकों द्वारा यह प्रयास किया जाना चाहिए कि वाछित उच्चतम मूल्यों का विकास हो सके और यह तभी संभव है जब शिक्षक में भी स्वयं व्यक्तिगत मूल्यों का समावेश हो ।

साकेत बिहारी (2014) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच शैक्षणिक चिन्ता का अध्ययन लिंग. आवास और स्कूल के प्रकारों के संदर्भ में किया। अध्ययन से पता चला कि माध्यमिक विद्यालय द्वारा अनुभव की जाने वाली शैक्षणिक चिंता में लिंग और निवास स्थान की भूमिका नहीं होती है. जो छात्रों की शैक्षणिक चिंता में एक प्रमुख भूमिका निभाते है।

शोध कथन- 'माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन। शोध समस्या से सम्बन्धित शब्दो का परिभाषीकरण।

माध्यमिक स्तर विद्यार्थी माध्यमिक स्तर विद्यार्थी से तात्पर्य ऐसे विद्यार्थियों से हैं जो कक्षा 9 से 12 कक्षा में अध्ययनरत है।

व्यक्तिगत मूल्य- व्यक्तिगतमूल्य से तात्पर्य किसी व्यक्ति या समाज के आदर्श सिद्धांत, विश्वास, नैतिक नियमो व संस्कारों के मानक होते है, जिसे व्यक्तिगत मूल्य कहा जाता है।

भावनात्मक बुद्धि- भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य, खुद की और दूसरों की भावनाओं पर ध्यान देने, उन्हें समझने और उनके द्वारा प्रदत सच्ची प्रेरणाओं, जरूरतों, उद्देश्यों और इच्छाओं को पहचानने की क्षमता से है।

अध्ययन के उद्देश्य:
1. माध्यमिक स्तर के शहरी छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों का भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन।
2 माध्यमिक स्तर के ग्रामीण छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों का भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

परिकल्पना
1. माध्यमिक स्तर के शहरी छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों का भावनात्मक बुद्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

2. माध्यमिक स्तर के ग्रामीण छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तित्व मूल्यों का भावनात्मक बुद्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या प्रस्तुत अध्ययन में सीमित जनसंख्या को आधार बनाते हुए शोधार्थी ने बिहार के दरभंगा जिले में माध्यमिक विद्यालयों के २०० छात्र एवं छात्राओं को इस अध्ययन की जनसंख्या के रूप में लिया है।

अध्ययन के उपकरण:
बुद्धि मापनी- डॉ अरुण कुमार सिंह और डॉ श्रुति नारायण द्वारा निर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है. इसकी विश्वसनीयता के लिए सहसंबंध मूल्य के गुणाक 0.825 थे जो 0.01 स्तर के महत्वपूर्ण है। तथा वैधता व्यक्तिगत मूल्य प्रस्नावली की वैधता 10 विषय विशेषज्ञों जैसे मनोविज्ञानिक शिक्षाविदों और भाषा विज्ञान की राख और व्यक्तिगत मूल्यों के चयन, उनके विकल्प आदि के आधार पर स्थापित की गई थी।

व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली- डा. अर्चना दुबे एवं महिंद्रा पतिदार द्वारा निर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है. इसकी विश्वसनीयता के लिए सहसंबंध मूल्य के गुणांक 0.86 अल्फा गुणांक पाया गया, जो 0.01 स्तर के महत्वपूर्ण है। तथा वैधता

© AUG 2025 | IRE Journals | Volume 9 Issue 2 | ISSN: 2456-8880
DOI: https://doi.org/10.64388/IREV9I2-1714781

व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली की वैधता 10 विषय विशेषज्ञों जैसे मनोविज्ञानिक शिक्षाविदों और भाषा विज्ञान की राय और व्यक्तिगत मूल्यों के चयन उनके विकल्प आदि के आधार पर स्थापित की गई थी। इस उद्देश्य के लिए दोनों पैमाने को नमूना डी 100 पर प्रशासित किया गया।

सांख्यकीय प्रविधियाँ- व्यक्तिगत मूल्य तथा भावनात्मक बुद्धि के लिए कार्ल पियर्सन सहसंबंध विधि का प्रयोग किया गया है।

उदेश्य-1. माध्यमिक स्तर के शहरी छात्रों एवं छात्राओ के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

परिकल्पना-1. माध्यमिक स्तर के शहरी छात्रों एवं छात्राओ के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है

व्यक्तिगत मूल्य	प्रतिबद्धता	चुनौती	समस्या हल	काम करने वाला समूह	अनुशासन	कठिन परिश्रम	ईमानदारी	समय की पाबंदी	निर्भरता	सहयोग	भावनात्मक बुद्धि
प्रतिबद्धता	1										
चुनौती	0.1	1									
समस्या को सुलझाना	-0.10	-0.12	1								
समूह के काम	0.11	-0.20	-0.21	1							
अनुशासन	0.41	0.16	-0.00	-0.01	1.00						
कठिन परिश्रम	-0.46	-0.10	0.23	-0.11	-033	1.00					
ईमानदारी	0.03	-0.24	0.09	0.02	-0.27	0.25	1.00				
समय की पाबंदी	0.11	-0.15	0.15	0.11	-0.03	0.02	-0.24	1.00			
निर्भरता	-0.72	0.17	0.06	-0.00	-0.31	0.31	-0.29	0.16	-0.16	1.00	
सहयोग	-0.72	0.17	0.06	-0.00	-0.31	0.30	-0.29	0.16	-0.16	1.00	

© AUG 2025 | IRE Journals | Volume 9 Issue 2 | ISSN: 2456-8880
DOI: https://doi.org/10.64388/IREV9I2-1714781

भावनात्मक बुद्धि	0.04	-0.12	0.00	-0.16	0.10	-0.12	-0.19	0.03	0.07	0.03	1.00

प्रतिबद्धता	1			-	-	p	व्यक्तिगत मूल्य
चुनौती	0.1	1		-	-	c	व्यक्तिगत मूल्य
समस्या हल	-0.10	-0.12	1			s	व्यक्तिगत मूल्य
समूह के काम	0.11	-0.20	-0.21	-	--	w	व्यक्तिगत मूल्य
अनुशासन	0.41	0.16	-0.00	-	-	d	व्यक्तिगत मूल्य

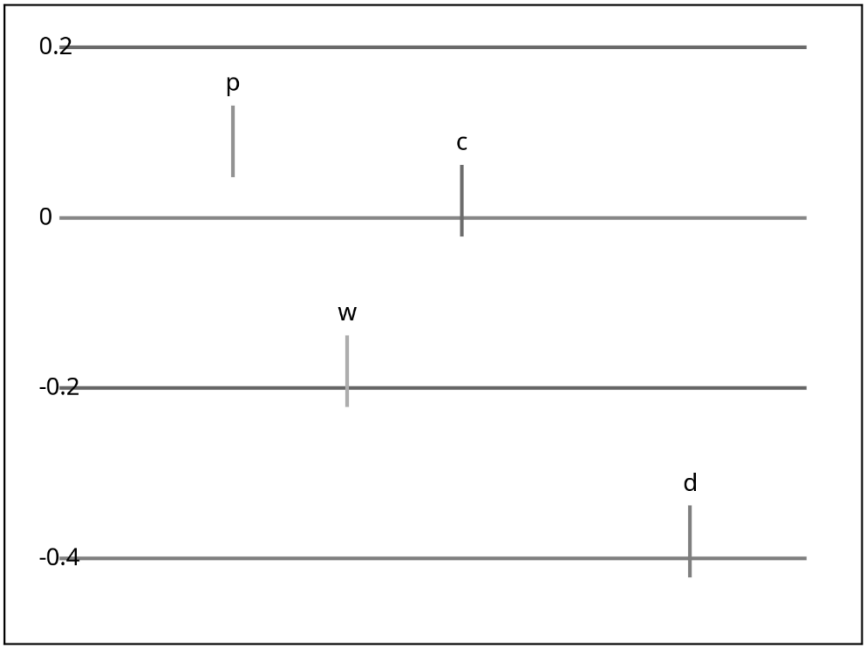

स्पष्टीकरण-1-

माध्यमिक स्तर के शहरी छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्य का भायनात्मक बुद्धि पर विश्लेषणात्मक अध्ययन में चुनौती, काम करने वाला समूह अनुशासन, समय की पाबंदी, व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि के साथ सह-संबंध गुणांक का मान क्रमशः -0.12 -0.07 -0.12 और -0.19 है जोकि ऋणात्मक सहसंबंध को दर्शाता है। इसी प्रकार व्यक्तिगत मूल्यों के आयाम प्रतिबद्धता समस्या का हल कठिन परिश्रम ईमानदारी, आत्मरक्षा एवं सहयोग का मान क्रमश 0.04 0.00 0.10 0.03 0.07 है जोकि धनात्मक सह संबंध को दर्शाता है। यह स्पष्ट है की सभी स्वतंत्रता कोटिमान 198 सह संबंध गुणाक तालिका का गान-0 138 से 0.138 के मध्य है यह परिकल्पना न०१ माध्यमिक स्तर के शहरी छात्र एवं छात्राओ के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर धनात्मक प्रभाव पड़ता है। अतः परिकल्पना न०१ असत्य सिद्ध होती है।

उद्देश्य न० 2 माध्यमिक स्तर के ग्रामीण छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

परिकल्पना न० 2 माध्यमिक स्तर के ग्रामीण छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

व्यक्तिगत मूल्य	प्रतिबद्धता	चुनौती	समस्या हल	काम करने	अनुशासन	कठिन परिश्रम	ईमानदारी	समय की पाबंदी	निर्भरता	सहयोग	भावनात्मक बुद्धि

				वाला समूह							
प्रतिबद्धता	1										
चुनौती	0.1	1									
समस्या हल	-0.00	-0.12	1								
समूह के काम	0.10	-0.10	-0.21	1							
अनुशासन	0.21	0.14	-0.01	-0.01	1.00						
कठिन परिश्रम	-0.26	-0.13	0.13	-0.12	-013	1.00					
ईमानदारी	0.29	-0.21	0.09	0.02	-0.23	0.22	1.00				
समय की पाबंदी	0.10	-0.10	0.13	0.10	-0.00	0.02	-0.24	1.00			
आत्मरक्षा	-0.7	0.16	0.16	0.02	-0.13	-0.14	-0.03	-0.36	1.00		
सहयोग	-0.72	0.14	0.06	-0.02	-0.33	0.30	-0.21	0.16	-0.16	1.00	
भावनात्मक बुद्धि	0.10	-0.10	0.00	-0.07	0.01	0.10	0.10	-0.12	0.12	0.03	1.00

प्रतिबद्धता	1			-	-	p	व्यक्तिगत मूल्य
चुनौती	0.1	1		-	-	c	व्यक्तिगत मूल्य
समस्या हल	-0.00	-0.12	1	-	-	s	व्यक्तिगत मूल्य
समूह के काम	0.10	-0.10	-0.21	-	--	w	व्यक्तिगत मूल्य
अनुशासन	0.21	0.14	-0.01	-	-	d	

© AUG 2025 | IRE Journals | Volume 9 Issue 2 | ISSN: 2456-8880
DOI: https://doi.org/10.64388/IREV9I2-1714781

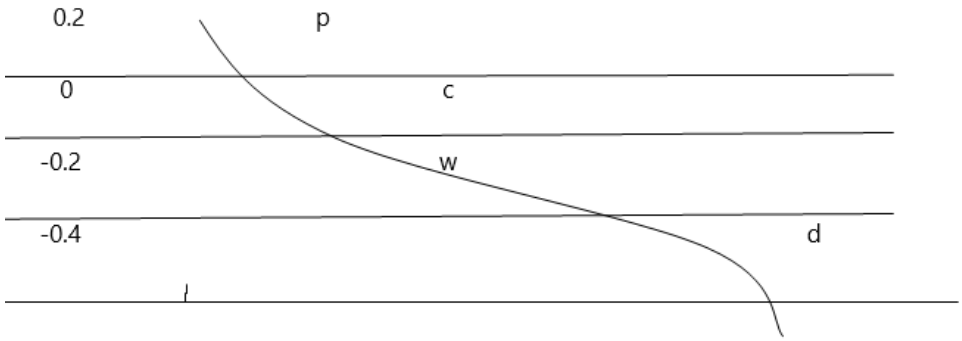

स्पष्टीकरण-2- माध्यमिक स्तर के ग्रामीण छात्र एवं छात्राओ के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि के विश्लेषणात्मक अध्ययन में चुनौती, काम करने वाला समूह अनुशासन एवं समय की पाबंदी का व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि के साथ सहसंबंध गुणांक का मान क्रमशः 0.10, -0.07 -0.01 और-0.12 है जोकि ऋणात्मक सहसंबंध को दर्शाता है। इस प्रकार व्यक्तिगत मूल्यों के आयाम प्रतिबद्धता समस्या हल, कठिन परिश्रम, ईमानदारी, आत्मरक्षा एवं सहयोग के साथ सह संबंध गुणांक का मान क्रमशः 0.11 0.07, 0.01, 0. 00, 0.12 0.03 है जोकि धनात्मक सह संबंध को दर्शाता है। यह स्पष्ट है कि मान स्वतंत्रता कोटिमान 198 सह संबंध गुणांक तालिका का मान -0.138 से 0.138 के मध्य है। वह परिकल्पना न० 2 माध्यमिक स्तर के ग्रामीण छात्रों एवं छत्राओं के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर ऋणात्मक प्रभाव पड़ता है। अतः परिकल्पना न०.२ असत्य सिद्ध होती है।

शोध अध्ययन के परिणाम

1. प्रस्तुत अध्ययन में शहरी छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर सार्थक प्रभाव पाया गया है।
2. प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण छात्रों एवं छात्राओ के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

निष्कर्ष : शहरी छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्य समयानुसार परिवर्तित होते रहते हैं इसलिए शहरी क्षेत्र मे व्यक्तिगत मूल्यों के विकास में कई कमी देखने को मिलती है। उनके व्यक्तिगत मूल्यों का विकास सही नहीं हो पा रहा इसका मुख्य कारण शिक्षा है जो आज के समय में व्यावसायिक होती जा रही है। मूल्य विलुप्त होते जा रहे है जिसका व्यक्ति के व्यक्तित्व तथा उसकी भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव देखने को मिलता है। यह कहा जा सकता है कि तकनीकी के वृहद प्रभाव और शिक्षा की प्रभावपरक गुणवत्ता के कारण माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओ व्यक्तिगत मूल्य तथा भावनात्मक बुद्धि में अंतर होता है। जबकि माध्यमिक स्तर के ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्य जैसे प्रतिबद्धता समस्या हल कठिन परिश्रम, ईमानदारी, आत्मक्षा एवं सहयोग आदि उच्च कोटि के पाए जाते हैं जिससे कि ग्रामीण छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्य का भावनात्मक बुद्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं परिलक्षित नहीं हुआ है, अतः कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओ के व्यक्तिगत मूल्य तथा भावनात्मक बुद्धि में कोई अंतर नहीं है।

सन्दर्भ

[1] गोलमन डिनियल (2022) भावनात्मक बुद्धिमत्ता, ब्लूम्सवरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेडः नया संस्करण (1) जनवरी 1995) न्यूयॉर्क' बैटम बुक्स

[2] जयादे सुरेखा (2021) छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक ISBN 9781951800-6-0 अदिति पब्लिकेशन् रायपुर छत्तीसगढ़

[3] देवी कुसुम (2021) भावनात्मक बुद्धिमता के संबंध में स्नातक छात्र छात्राओं के बीच शैक्षणिक चितन का एक अध्ययन् प्रयागराज विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश।

[4] सिंह गुरविंदर कौर जगदीप (2020) पंजाब प्रान्त के किशोरों के मध्य मनोवैज्ञानिक कारणों, आत्म प्रभावकारिता और तनाव का अध्ययन देशमुख विश्वविद्यालय http://hdl.handle.net/10603/342325

[5] सुरेन्द्र 2020. शोध छात्र गुड़गांव जिले की विवाहित एवं अविवाहित कालेज छात्राओं के मूल्यों, आत्म-प्रत्यय तथा समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च एंड सेमिनार रफ्रेंड एंड डबल ब्लाइड पीवर रिव्यू जर्नल, ISSN 2393-9842 बॉल्यूम 11 नंबर 1 जनवरी-मार्च मूल शोध लेख।

[6] सिपल निधि (2017), बी०एड० प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अप्लाइड रिसर्च, ISSN-2394-5869 https://www.allresearchjournal.com

[7] कुमार लल्लन शर्मा चित्र, सिंघल निधि, (2017), शासकीय व अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में जनसंचार माध्यमों का मानवीय मूल्यपरक शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, Vol. 3 Issue No. 6, गूगल स्कॉलर

[8] एस० के० मंगल, (2016), शिक्षा मनोविज्ञान पी० एच० आई० लर्निंग प्राइवेट लिमिटिड नई दिल्ली।

[9] साकेत बिहारी, (2014), लिंग, आयास और स्यूले के प्रकार के सन्दर्भ में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में शैक्षिणिकचिंतन, इटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एड साइकोलॉजिकल रिसर्च ISSN 2395-3438 (प्रिंट), 2395-3446 ऑनलाइन)) पृष्ठ-30-32. रिसर्च गेट नेट

[10] शैली प्रभा, तिवारी बाबुल, (2003), जनपद फिरोजाबाद के लघु एवं वृहद परिवारों की छात्राओं के पारिवारिक लगाव के उनके व्यक्तिगत मूल्यों सृजनात्मक एवं शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रभाव